

गृह विभाग

दिनांक 27/28 जनवरी, 1987

सं० 12/2/87-5 एच०जी० II.--दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973, की धारा 2 के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों और इस निमित्त उन्हें समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा साथ लगाई अनुसूची के खाना 2 में वर्णित ग्रामों के स्थानीय क्षेत्रों की, उसके खाना 3 में उल्लिखित पुलिस थाना के स्थानीय क्षेत्रों में से, उक्त अनुसूची के खाना 4 में पुलिस थाना के स्थानीय क्षेत्र में अन्तर्गत करते हैं:--

अनुसूची

क्रम संख्या	अन्तर्गत ग्राम का नाम	पुलिस थाना जिसमें इससे पहले शामिल था	पुलिस थाना जिस में अब अन्तर्गत किया गया है
1	2	3	4
1	कैराका	पुलिस थाना हथीन	पुलिस थान नूह
2	नीशेरा		
3	कोन्तलाका		
4	कर्मचन्दपुर		
5	जयसिंह पुर		
6	गोलेपुरी		
7	ढंकली		
8	ठीकराका		

एल. एम. जैन,

आयुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार,
गृह विभाग।

LABOUR DEPARTMENT

Order

The 2nd December, 1986

No. 3/71/86-3Lab.—Whereas,—vide his order, dated the 22nd September, 1986, Presiding Officer, Labour Court, Ambala City, does not think it proper to decide the reference No. 68 of 1985, between *Shri Amar Singh v. M/s Sarwati Sugar Mills, Yamuna Nagar*, due to personal reasons.

And whereas the Government is of the opinion that for reasons mentioned above, it would be desirable to transfer this case to Labour Court Rohtak.

Now, therefore, in exercise of powers conferred by section 33-B of the Industrial Disputes Act, 1947, the Governor of Haryana, hereby withdraws the proceedings in respect of the case mentioned above and transfer the same to the Labour Court, Rohtak for the disposal of the proceedings from the stage at which these were pending before the Labour Court, Ambala City.

KULWANT SINGH,

Secretary to Government, Haryana,
Labour Department.

श्रम विभाग

आदेश

दिनांक 2 दिसम्बर, 1986

सं० 3(71)86-3 श्रम.—चूँकि पीठासीन अधिकारी, श्रम न्याय-लय, अम्बाला शहर, अपने आदेश दिनांक 22 सितम्बर, 1986 के अनुसार श्री अमर सिंह, वनाम सरस्वती शूगर मिल, यमुनानगर के बीच, 1985 के निर्देश सं० 68 का निर्णय करना व्यक्तिगत कारणों से उचित नहीं समझती है।

और चूँकि उपर्युक्त कारणों के कारण सरकार का विचार है कि इस मामले को श्रम न्यायालय, रोहतक, को अन्तरित करना वांछनीय होगा।

अतः अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 33-ख द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त मामले से सम्बन्धित कार्यवाहियों को वापस लेते हैं और इस मामले को उस प्रक्रम से कार्यवाहियों के, जहाँ पर ये श्रम न्यायालय, अम्बाला शहर के पास लम्बित थीं निपटान हेतु श्रम न्यायालय, रोहतक को अन्तरित करते हैं।

कुलवन्त सिंह,

वित्तायुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार,
श्रम तथा रोजगार विभाग।

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 13 जनवरी, 1987

क्रमांक 1189-ज-I-86/1243.—श्री सरदारा सिंह, पुत्र श्री गंडा सिंह, गांव सुल्तानिया प्लाट, तहसील गुहला, जिला कुरुक्षेत्र, की दिनांक 12 जून, 1985 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री सरदारा सिंह की मुस्लिम 300 रुपए वार्षिक की जागीर, जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 696-ज-II-74/15664, दिनांक 3 जून, 1974 तथा अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-I-79/94040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979, द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती सन्त कौर के नाम रबी, 1986 से 300 रुपए वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनांक 15 जनवरी, 1987

क्रमांक 1264-ज-I-86/1500.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1)(ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती आज्ञा कौर, विधवा श्री वरियाम सिंह, गांव खेड़ी सर्फ अली, तहसील असन्ध, जिला करनाल, को खरीफ, 1965 से रबी, 1970 तक 100 रुपए वार्षिक तथा खरीफ, 1970 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपए वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपए वार्षिक सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1263-ज-I-86/1504.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री अजमेर सिंह, पुत्र श्री चन्नन सिंह, गांव बराड़ा, तहसील बराड़ा, जिला अम्बाला, को खरीफ, 1974 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपए वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपए वार्षिक सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।